

भारत П—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 4 1 6

नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1980/माद्र 15, 1902

No.416]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1980/BHADRA 15,1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

भावेश

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1980

का० आ० 755(अ).—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग भीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भीद्योगिक विकास विभाग) के आदेश मं० का० आ० 481(भ)/18कक/भाई० डी० भार० ए०/75, तारीख 8 मितम्बर, 1975 (जिसे इनके पण्चात् उक्त भादेश कहा गया है) मैमर्स सेत रेले सिमिटेड, कलकत्ता, नामक भीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस भादेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मितिक है, तक की श्रवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

और, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्विष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त धौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की धौर प्रविध के लिए प्रभावी बना रहे;

श्रत: अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) श्रीध-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निवेश देती है कि उक्त श्रादेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और श्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा ।

[फा॰ सं॰ 2(21)/75-सी॰यू॰ एस॰]

## MINISTRY OF INDUSTRY

## (Department of Industrial Development)

## ORDERS

New Delhi, the 6th September, 1980

S.O. 755(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 481(E)/18AA/IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Sen-Raleigh Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(21)/75-cus.]

का० आ० 756(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग भीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के भादेश सं० का० भा० 485(भ)/18कक/आई० डी० भार० ए०/75, तारीख 8 मितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त भादेण कहा गया है) मैससे

670 GI/80.

(1385)

एनसिलरी इण्डस्ट्रीज (कैंक्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता, नामक श्रीधीनिक उपकम का प्रबन्ध, उस आदेश में बिनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

श्रौर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त बिनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की श्रौर भवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

धनः ध्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 7 सिनम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी मस्मिलित है, एक वर्ष की श्रीर श्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा॰ सं॰ 2(27)/75-सी॰यू॰एस॰]

S.O. 756(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 485(E)/18AA/IDRA/75, dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Cranks) Private Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980.

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(27)/75-CUS.]

कां आं 757(अ).— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के मृतपूर्व उद्योग भीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भीद्योगिक विकास निभाग) के भादेश सं कां अं 482(भ्र)/18कक/भाई० डी॰ भार० ए०/75, नारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैससं एनसिलरी इण्डस्ट्रीज (लग्स) प्राह्वेट लिसिटेड, कलकत्ता, नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध, उस भादेश में विनिविष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह नारीख भी सम्मिलत है, तक की श्रवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

श्रीर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त त्रिनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारील भी सम्मिलित है, एक वर्ष की श्रीर श्रवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

श्रयः श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास ग्रौर विनियमन) श्रधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देती है कि उक्त श्रादेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की ग्रौर श्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा॰ सं॰ 2(28)/75-सी॰यू॰एस॰]

S.O. 757(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 482(E)/18AA/IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Lugs) Private

Limited, Culcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(28)/75-CUS.]

का० आ० 758(अ).—केन्द्रीय मरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग भीर नागरिक पूर्ति मंद्रालय (श्रीग्रोगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० ग्रा० 484(अ)/18 कक/आई० डी० ग्रार० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पण्यात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स इनिस्तरी इण्डस्ट्रीज (फोर्जिंग्स) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक श्रीग्रोगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उस भावेण में विनिर्विष्ट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितम्बर 1980, जिसमें यह नारीख भी सम्मिलित है, तक की श्रवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

श्रीर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हिन में यह समीचीन है कि उक्त विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सिनम्बर 1981, जिसमें यह नारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की श्रीर भवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

श्रनः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रीध-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शास्त्रियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त शादेश 7 गितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक दर्ष की और श्रविध के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा॰ मं॰ 2(29)/75-सी॰यू॰एस॰]

S.O. 758(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 484(E)/18AA/IDRA/75, dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of live years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(29)/75-CUS.1

का॰ आ॰ 759(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंद्रालय (भौद्योगिक विकास विभाग) के भादेश सं० का॰ भाँ० 483(अ)/18कक/आई० औ० भार० ए०/75, तारीख 8 सितम्बर, 1975 (जिसे इसके पण्यात् उक्त आदेश कहा गया है) मैस्सं सन एण्ड पंडिन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, कलकना, नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध, उस आदेश में विनिद्धिट व्यक्तियों के निकास द्वारा 8 सितस्बर 1980, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, तक की श्रवधि के लिए ग्रहण किया गया था;

कीर, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त बिनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय हारा उक्त भीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, 7 सितम्बर 1981, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की भौर अविध के लिए प्रभावी बना रहे;

श्रातः श्रव, केन्द्रीय संस्कार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिष्ठिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18 कक की उपधारा (2) ब्रारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त श्रादेश 7 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सिम्मिलित है, एक वर्ष की और श्रविध के लिए प्रभावी रहेगा।

[फा० सं० 2(30)/75-सी०यू०एस०] वी० राय, संयुक्त सचिव

S.O. 759(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 483 (E)/18AA/

IDRA/75 dated the 8th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Sen & Pandit Industries Limited, Calcutta had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of five years upto and inclusive of 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year upto and inclusive of 7th September, 1981.

[F. No. 2(30)/75-CUS.] B. ROY, Jt. Secy.

		*	
			ţ
			,
	,		